http://www.onlineBU.com

AF-2037

B.A. Regular (Part - I)
Term End Examination, 2017-18

HINDI LITERATURE

Paper - I

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×3

(क) बासुरि सुख ना रैणि सुख, ना सुख सुपनेहु माँहि।
कबीर बिछुड़या राम सूँ, ना सुख धूप ना छाँहि॥
मूवाँ पीछे जिनि मिलै, कहै कबीरा राम।
पाथर घाटा लोह सब, तब पारस कौणे काम॥

अथवा

http://www.onlineBU.com

(2)

पूस जाड़ थर-थर तन काँपा।

सुरुज जाइ लंक दिसि चाँपा॥

बिरह बाढ़, दारुन भा सीऊ।

कँपि-कँपि मरौं, लेइ हरि जीऊ॥

कंत कहाँ लागौं ओहि हियरे।

पंथ अपार, सूझ नहिं नियरे॥

सौंर सपेती आवैं जूड़ी।

जानहु सेज हिवंचल बूड़ी॥

चकई, निसि बिछुरैं, दिन मिला।

हौं दिन राति विरह कोकिला॥

रैनि अकेली साथ नहिं सखी।

कैसे जियै बिछोही पखी॥

(ख) जोग ठगौरी ब्रज न बिकै हैं।

यह व्योपार तिहारो ऊधो। ऐ सोई फिरि जैहैं॥

जाकै ले आए हौ मधुकर, ताके उर ना समैहैं॥

http://www.onlineBU.com

(3)

दाख छाँड़ि के कटुक निबौरी को अपने
मुख खैहैं ?

मूरी के पातन के कैना को मुक्ताहल दैहैं ?

सूरदास प्रमु गुनहि छाँड़ि कै को निर्गुन
निरबैहैं ?

अथवा

बाजिहिं बाजेन विविध विधाना।

पुर प्रमोद, नहिं जाइ बखाना॥

भरत आगमनु सकल मनावहिं।

आवहूँ बेगि नयन फल पावहिं॥

हाट बाट घर गली अथाई।

कहहिं परसपर लोग लुगाई॥

कालि लगन भलि केतिक बारा।

पूजिहि विधि अभिलाषु हमारा॥

कनक सिंघासन सीय समेता।

बैठिहिं रामु होई चिति चेता॥

http://www.onlineBU.com

(ग) पहिले घनआनन्द सींचि सुजान कही बतियाँ
अति प्यार पगी।
अब लाय वियोग की लाय, बलाय, बढ़ाय
बिसास दगानि दगी॥
अंखियाँ दुखियानि कुबानि परी, न कहूँ लगै
कौन घरी सुलगी।
मति दौरि थकी, न बहै दिक ठौर, अमोहि
के मोह मिठास ठगी॥

अथवा

घनआनन्द जीवन मूल सुजान की कौंधन हूँ
न कहूँ दरसैं।
सुन जानिये धौं कित छाय रहे दृग चातक
प्रान तपे तरसैं॥
बिन पावस तौं इन ध्यावस हो न, सु क्यों करियौं
अबसों परसैं।
बदरा बरसैं रितु मैं घिरि कै, नित ही अंखियाँ
उघरी बरसैं॥

2. कबीरदास की भक्ति-भावना का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। 12

अथवा

जायसी के बारहमासा वर्णन को सोदाहरण समझाइए।

http://www.onlineBU.com

3. सूरदास के जीवन वृत्त पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए, इसकी भक्ति-भावना पर एक निबन्ध लिखिए। 12

अथवा

तुलसीदास की काव्यगत विशेषता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

घनानंद के काव्य में प्रेम की सरस अभिव्यंजना हुई है, स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 5×3

(क) 'विद्यापति के काव्य में शृंगार और भक्ति का समन्वय' विषय पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) रहीम के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) रसखान की भाषा-शैली पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) 'अष्टछाप' को संक्षेप में समझाइए।

(ङ) 'रामकाव्य में लोकमंगल और समन्वय की विराट चेतना' विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(च) रीतिकालीन काव्यधाराओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

http://www.onlineBU.com

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बारह** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×12

(क) कबीर की पत्नी का क्या नाम था?

(ख) 'सुजानहित' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ग) रसखान का प्रिय छंद क्या है?

(घ) 'बीजक' के तीनों भागों के नाम लिखिए।

(ङ) सूरदास के गुरु का नाम बताइए।

(च) उत्तर मध्यकाल को किस काल के नाम से जाना जाता है?

(छ) 'आखिरी कलाम' किस कवि की रचना है?

(ज) विद्यापति की काव्यभाषा क्या है?

(झ) कबीर किसके शिष्य थे?

(ञ) रीतिमुक्त काव्यधारा के एक कवि का नाम लिखिए।

(ट) घनानंद किस काल के कवि हैं?

(ठ) 'साखी' का क्या अर्थ है?

(ड) मलिक मुहम्मद जायसी कहाँ के रहने वाले थे?

http://www.onlineBU.com

(ढ) संत कबीर का जन्म कहाँ हुआ था?

(ण) सगुण भक्तिधारा की दो शाखाओं के नाम लिखिए।

———